



हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स
HINDUSTAN PHOTO FILMS



वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2004-05



अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

श्री महेन्द्र कुमार (09.08.2005 से)
श्री जे एस जवाली (14.02.05 से 08.08.05 तक)

निदेशक वित्त

श्री एस मुरलीधरन (14.02.2005 तक कार्यकारी अ.सह
प्र नि का अतिरिक्त प्रभार संभाला)

निदेशकगण

श्री मुकुल कुमार
श्री एन मुत्तुरामलिंगम (31.8..2005 तक)
श्री वी एच रामकृष्णन
(नामिति निदेशक - यू टी आई)

कंपनी सचिव

कु एम. गीता

लेखा परीक्षक

मेसर्स राँव एवं नाथन
सनदी लेखाकार

बैंकर्स

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन ओवरसीज बैंक
सिंडिकेट बैंक
स्टेट बैंक आफ पटियाला
स्टेट बैंक ऑफ द्रावनकुर
इंडियन बैंक
कैनरा बैंक

पंजीकृत कार्यालय

इन्दु नगर
उटकमण्ड
तमिलनाडु 643 005

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
शेयरधारियों को नोटिस

टेलिग्राम : फोटो फिल्म
टेलिफोन : 2444020-2444027
फैक्स : 2442556
ईमेल : इन्दु@एचपीएफ-इण्डिया.कॉम
वेब : डबल्यूडबल्यूडबल्यू.एचपीएफ-इण्डिया.कॉम

पंजीकृत कार्यालय
इन्दु नगर उटकमण्ड
तमिलनाडु -643 005

1 सितम्बर 2005

नोटिस

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के शेयरधारियों की चौबालीसवीं सामान्य वार्षिक बैठक, पंजीकृत कार्यालय, इन्दु नगर, उटकमण्ड-643 005 में गुरुवार, 23 सितम्बर 2005 को 11.00 बजे निम्नलिखित कारोबार के संचालन के लिए होगी।

सामान्य कारोबार

- 1 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट और कंपनी के लेखा पर विचार विमर्श करना तथा उनका अंगीकार करना।
- 2 लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का निर्धारण करना।

(आदेशानुसार)

(एम. गीता)
कंपनी सचिव

सेवा में : सभी सदस्य

प्रतिलिपि: मेसर्स रॉव एवं नाथन,
सनदी लेखाकार
श्री निलैयम, 31, रेस व्यू रोड
उटकमण्ड - 643 001

नोट: बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए योग्य शेयरधारी अपने स्थान पर किसी और व्यक्ति को बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए नियुक्त कर सकता है। उस व्यक्ति (प्रॉक्सी) का सदस्य होना जरूरी नहीं है।



निदेशकों के प्रतिवेदन

प्रिय शेयरधारी,

31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा सहित कंपनी के कार्यशील पर चौबलीसवीं वार्षिक रिपोर्ट सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और उस पर भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा की गयी टीका टिप्पणियाँ और लेखों की समीक्षा को सहर्ष आपके निदेशकगण प्रस्तुत कर रहे हैं।

निगमित निष्पादन

2004-05 के लिए नकदी प्रवाह विवरण के साथ पिछले दस वर्षों के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़े नीचे संक्षेप में दिये गए हैं।

शेयर पूंजी

31.03.05 के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और चुकता पूंजी क्रमशः 200 करोड़ रुपये और 199.87 करोड़ रुपये थे।

आवधिक जमा

रिपोर्ट के अधीन इस वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई जमा प्राप्त नहीं किया।

निगमित परिणाम

उत्पादन

इस साल के दौरान उत्पादन 0.818 मि वर्ग मी था, इसका मूल्य 1519.52 लाख रु. था, जबकि, विगत वर्ष का उत्पादन 2746.65 लाख रुपयों के मूल्य पर 1.709 मि वर्ग मी रहा। उत्पादन के मदवार निम्नप्रकार है।

	मि वर्ग मी में	
	2004-05	2003-2004
सिनि उत्पाद	0.050	0.052
एक्स-रे (औद्योगिक एक्स रे सहित)	0.681	1.030
ग्राफिक आर्ट्स *	0.078	0.560
पेपर उत्पाद *	0.003	0.054
अन्य (विविध)	0.006	0.014
	0.818	1.709

* का कार्यदेश उत्पादन सम्मिलित है (0.079) (0.407)

रिपोर्ट के अधीन, वर्ष के दौरान कम उत्पादन के कारण थे - कार्यशील पूंजी निधियों और आर्डरों की कमी और ब.रा.क से स्वदेशी बाजार में कठोर प्रतियोगिता।

कंपनी ने कुल उत्पादन के 9.66% तक कार्यदेश व्यवहार द्वारा अपनी क्षमता का उपयोग किया। बदलीकरण के द्वारा कंपनी अन्य क्षेत्रों का अन्वेषण कर रही है।

पिछले दस वर्षों के लिए वित्तीय आंकड़े

	31 मार्च को समाप्त वर्ष								रुपये लाखों में	
	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005
उत्पादन	3530.80	1458.49	4093.22	3155.61	2710.09	2367.19	2978.36	2667.32	2746.66	1519.52
विक्रय	4107.94	2104.88	3451.40	3427.26	2820.00	2541.95	2895.03	2697.80	2778.39	1738.56
निवल लाभ-हानि	-7087.73	-9561.17	-17628.57	-30982.62	-27844.95	-32815.97	-35371.86	-38539.24	-44302.47	-49641.27
वृद्धि दर (%)										
- कुल बिक्री	-24.29	-48.76	63.97	-0.70	-17.72	-9.86	13.89	-6.81	2.99	-37.43
उत्पादन	-32.14	-58.69	180.65	-22.91	-14.12	-12.65	25.82	-10.44	2.97	-44.68
निवल लाभ										
- कुल बिक्री	-172.54	-454.24	-510.77	-904.01	-987.41	-1290.98	-1221.81	-1428.54	-1594.54	-2855.31
- लगी पूंजी	-116.77	-176.71	-26.56	-50.14	-49.63	-62.08	-69.91	-79.77	-101.67	-124.68
निवल मूल्य	-9575.03	-18707.08	-36254.13	-66530.33	-93872.72	-126150.48	-161088.24	-199518.26	-243506.90	-293148.16
अंतर निगमित श्रृण	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00
सकल ब्लॉक (डबल्यू आई पी पूंजी सहित)	5349.04	5349.39	69531.30	71201.70	71293.67	71363.34	71504.98	71506.72	72062.52	72063.41
सकल ब्लॉक (डबल्यू आई पी पूंजी वर्जित)	63717.02	73381.16	71495.56	71439.47	71500.80	71505.68	71513.18	71514.92	72062.52	72063.41
मालसूधियाँ	2555.60	1741.33	3184.09	2217.15	1778.49	1627.10	1683.23	1526.90	1415.02	1113.41
मूल्यहास	201.44	198.12	3215.80	3290.45	3297.46	3285.35	3289.70	3288.33	3386.32	3354.04
ब्याज										
- पी व एल लेखों को प्रभारीत	5504.21	6639.40	15701.91	19225.80	21678.40	25223.16	29024.34	33649.46	38835.10	44698.45
- पूंजीकृत	6878.07	8283.46	—	—	—	—	—	—	—	—

* सभी पूंजी निवल स्थाई संपत्तियों (निर्माणधीन परियोजना वर्जित तथा निवल चालू संपत्तियाँ) को वर्जित करती है।
जहाँ भी आवश्यक हो, पिछले साल के आँकड़ों को पुनः वर्गीकृत किया गया है।

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

पूर्ण बिक्री व हानि

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने 1738.56 लाख रुपये की पूर्ण बिक्री प्राप्त की, बनाम पिछले साल में यह राशि 2778.39 लाख रुपये थी। पिछले वर्ष की 44302.47 लाख रुपयों की निवल हानि की तुलना में इस वर्ष कंपनी के प्रचालनों के परिणामस्वरूप 49641.27 लाख रुपयों की निवल हानि हुई है। साल के दौरान 1316.40 के बनाम गत साल 1560.08 लाख रु थी। कम क्षमता उपयोगीकरण और ब्याज की मात्रा के सिवाय प्रचलित मार्केट स्थिति, कंपनी की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने वाले प्रमुख कारण है। कंपनी ने अपने प्रचालनों को सुधारने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाया और प्रशासनिक व्ययों को घटाने की कोशिश की। अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए तथा प्रचालकीय हानि कम करने के लिए आनेवाले साल में इन प्रक्रियाओं का अनुसरण किया जाएगा।

निर्यात

निर्यात आदेशों का प्रवाह होते हुए भी कार्यशील पूंजी की कमी होने के कारण, साल के दौरान कंपनी से निर्यात बाजार में प्रवेश कर न पायी अतः निर्यात उत्पादों द्वारा पिछले साल में विदेशी मुद्रा कमाई 22.74 लाख के विरुद्ध साल के दौरान निर्यात विक्रय संतोषजनक नहीं था। कंपनी आनेवाले साल में अपनी निर्यात को सुधारने का प्रयत्न कर रही है।

पॉलिएस्टर बेस चिकित्सा एक्स-रे और ग्राफिक आर्ट्स फिल्मस संयंत्र :

इस संयंत्र ने पिछले साल के दौरान 1.590 मिल्लियन वर्ग.मी.के विरुद्ध रिपोर्ट के अधीन वर्ष के दौरान 0.681 मिल्लियन वर्ग मी फिल्मों का उत्पादन किया है। आगे आनेवाले साल में संयंत्र को और सुधारने की अपेक्षा है।

अनुसंधान एवं विकास

विनिर्दिष्ट क्षेत्रों जिसमें कंपनी ने अनु एवं विकास कार्यान्वित किये

अनु एवं विकास के कार्यकलाप नये उत्पादों के विकास, उत्पाद प्रक्रिया की अभिवृद्धि, प्रौद्योगिकी के उन्नयन, आयात स्थानापन्नता और लागत पर कमी की ओर थे।

उपर्युक्त अनु एवं विका के परिणामस्वरूप उत्पन्न सुविधाएँ

कंपनी के लिए जरूरी रसायन, आर्गनिक सिलिसिस इकाई द्वारा विनिर्माणित किए गए।

अनु एवं विकास केन्द्र में विकसित जानकारी के साथ निम्नलिखित डिजिटल उत्पादों का वाणिज्यक किया गया।

क) चिकित्सा एक्स रे आर्थो के वाणिज्यकरण द्वारा के लिए बाजार में लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की गयी।

ख) औद्योगिक एक्स रे फार्मुला का वाणिज्यकरण किया गया।

निम्नलिखित उत्पादों के संबंध में, संयंत्र परीक्षण जारी है। इनहाउस अनु एवं विका, से विकसित जानकारी शीघ्र ही वाणिज्यक किये जाएंगे।

क चिकित्सा इमेजिंग फिल्म (रेड सेन्सिटीव)

ख डिजिटल एक्स रे फिल्म

ग पॉलिएस्टर सबड बेस उत्पादन का दायल लिया गया।

सबड पॉलिएस्टर बेस के वाणिज्यक उत्पादन के लिए वदेशीकरण पॉलिएस्टर बेस निर्माताओं सहित विभागीय कार्यकलापों प्रगति में है।

घ वाटर रेसिस्टेंट इंकजेट पेपर का वाणिज्यकरण किया गया। उत्पादन दायल लिया गया है।

ड चिकित्सा डॉयोगेस के लिए नॉन सिल्वर डिजिटल फिल्म।

-सामग्रियों के आयात प्रतिस्थापन में फाइन रसायन के इनहाउस विनिर्माण की मदद से लगभग 29 लाख रु की लागत में बचत हुई है।

भविष्य कार्रवाई की योजना

निम्नलिखित उत्पादों के लिए विकास/अभिवृद्धि जानकारी, भविष्य अनु एवं विका के कार्यक्रम में सम्मिलित हैं:

क) निम्नलिखित उत्पादों के गुण में समुन्नति

i) चिकित्सा एक्स रे

ii) चिकित्सा एक्स रे (आर्थो)

iii) इंकजेट पेपर

iv) प्रिंटिंग उद्योग के लिए पॉलिएस्टर फिल्म

ख) निम्नलिखित उत्पादों के कार्य पर विकास:

- चिकित्सा इमेजिंग फिल्म (इंफ्रा रेड)

- कम गतिवाले औद्योगिक एक्स-रे फिल्म

- चिकित्सा रंगीन इमेजिंग फिल्म (नॉन-सिल्वर)

- फाइन रसायनों का स्वदेशीकरण और तैयारी



अनु एवं विकास पर व्यय

क. पूंजी	-	शून्य
ख. आवर्ती	-	67.92 लाख रु
ग. कुल	-	67.92 लाख रु
घ. कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में कुल अनु एवं विकास का व्यय	-	3.91%

आयातित प्रौद्योगिकी के संबंध में सूचना

- सहयोग करार यदि कोई
- आयातित प्रौद्योगिकी
- आयात का साल
- क्या प्रौद्योगिकी का पूरी तरह अवशोषण किया गया
- अवशोषण नहीं किया तो जिन क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं किया गया इसका कारण

शून्य

गुण आश्वासन

फ्लोटो उत्पाद उद्योग में, गुणवत्ता आश्वासन विभाग को, कच्ची सामग्रियों के चुनाव, प्रचालित पारामीटर्स के निर्धारण, उपकरण की ट्यूनिंग और प्रचालन के अंश पर सतर्कता, सर्जिकल सफाई का अनुरक्षण आदि में सतर्कता भरतनी पड़ती है। एच.पी.एफ एक आई एस ओ 9001:2000 प्रमाणीकृत कंपनी है। समय समय पर लेखा परीक्षा निरीक्षण इससे संबंधित भी हो रही है।

गुणवत्ता आश्वासन विभाग, उत्पादन के प्रयोग में, उपयुक्त होने वाले सभी रसायन, कच्ची सामग्रियों और पैकेजिंग सामग्रियों की जाँच करता है। वह विभागों के लिए नए स्ट्रोत का परीक्षण और विकास करना है। रसायनो व पैकेजिंग सामग्रियों की आपूर्तिकर्ताओं के निष्पादन का अध्ययन करके, आनधिक वेंडर अनुपात विश्लेषण करता है। गु.आ. ने पूर्ण गुणवत्ता लक्ष्य को प्राप्त करने में, शोधक और प्रतिबंधक कार्यवाई में, उत्पादन को मार्गदर्शन दिया है और पैकेजिंग सामग्रियों का समयव्यस्क प्रभाव के विकास में तकनीकी समर्थन दिया है परीक्षण पद्धतियों का उन्नयन और वर्तमान उत्पादों के लिए पुनरीक्षित व्याख्या वर्णनो तथा नए उत्पादों के लिए वर्णनो का आकर्षण करना गु.आ. विभाग का उत्तरदायित्व है।

गु.आ. पहले ग्राहक की तरह सभी पूर्ण तैयार मालों की जाँच करता है ताकि कोई दोषयुक्त सामग्री, ग्राहक को भेजी न जाए। गु.आ. ने ग्राहकों के प्रयोग के मुद्दे पर ध्यान देता है। बाजार में, हमारी सामग्रियों के निष्पादन को ध्यान में रखने के लिए और 'विक्रय

के बाद सेवा' को प्रभावी रूप से अध्ययन करने के लिए, शिकायतों के विवरण का विश्लेषण नियमित आधार पर किया जाता है। विनिर्माण विभाग ऐसी शिकायतों के कारणों को, उचित ध्यान के साथ प्रोत्साहन देता है।

2001-2002 से सभी ग्राहकों के शिकायतों, का स्तर सबसे निम्न है। यह कुल विक्रय का 0.07% ही है। 6 सिग्मा 3.4 पी.पी.एम लक्ष्य के बनाम, 2004-2005 के दौरान 6 सिग्मा गुणवत्ता निष्पादन चिन्ह इन्डेक्स 4.55 सिग्मा है।

ऊर्जा संरक्षण

विद्युत प्रणाली में, अपेक्षित बिजली केपॉसिटरो के अनुसार 0.9 के ऊपर बिजली फैक्टर संभाले जाते हैं। ऊर्जा कार्यकुशल काप्पर चोक्स आधिष्ठापित व अनुरक्षित किए हैं। हीटर लाईटिंग लोड्स नियमित किये गए हैं। बिजली ट्रान्सफार्मर्स के उपकरणों की कुशलता की अभिवृद्धि के लिए निवारक रखरखाव सूची का सख्त अनुपालन किया जाता है। स्वचालित नियंत्रण सर्कयुट की मदद से शीत संचय कम्प्रसर प्रभावी रूप से प्रचालित किया है।

उत्पादन सूची के उचित मॉनीटरिंग से ब्लोवर्स/मशीन अपेक्षित समय के लिए चलाए जाते हैं। एक स्वचालित नियंत्रण सर्कयुट कम्प्रसर भी परिचालित किया गया है। संयंत्र प्रचालन अधिकतम मॉग के घटाए स्तर पर स्थिर किया हुआ है। स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा दीप का, टाइमर सर्कयुट की सहायता से प्रभावी रूप से प्रयोग किया जाता है। प्रोसेस सामग्री के बचाव के लिए, प्रधान संयंत्र में, निम्न क्षमता कम्प्रसर को सेवा में उपयोग किया गया है। तत् विद्युत संरक्षण उपायों से कंपनी ने 16 लाख रु की बचत कर पाई है।

थर्मल ऊर्जा संरक्षण की ओर अधिक वायु के घटाए गए स्तर पर बॉयलर्स व गरम पानी जेनरेटर्स में नियंत्रण का अनुरक्षण किया गया। फीड पानी व ब्लोडाउन पानी को मॉनीटर करने के द्वारा ब्लोडाउन स्तर कम किया गया। डगमगाते हुए उत्पादन सूची से बॉयलर्स और गरम पानी उत्पादन का प्रचालन कम किया गया। निवारक रखरखाव का सख्त अनुपालन किया गया। कंपनी उक्त विद्युत ऊर्जा संरक्षण उपायों के जरिए 3.00 लाख रु की बचत कर पायी।

योजनाएँ

कम उत्पाद की स्थिति में प्रभावी ऊर्जा बचत के लिए डीसेन्द्रलाइज्ड रेफ्रिजिरेशन कम्प्रसर का उपयोग करने का प्रस्ताव है।

कार्मिक

31 मार्च 2005 को कंपनी में कुल स्थायी कर्मचारियों की संख्या 1085 थी। कुल कर्मचारियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जातियों की संख्या इस प्रकार थी।

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व : 177 (16.31%)
अनुसूचित जन जाति का प्रतिनिधित्व : 55 (5.06%)

31 मार्च 2005 को कार्यरत भूतपूर्व सैनिकों की कुल संख्या 46 थी जो कुल कर्मचारियों की संख्या के 4.23 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। कंपनी में 31 मार्च 2005 को विकलांग कर्मचारियों की कुल संख्या 36 थी, जिसमें 6 नेत्रहीन थी, 19 शारीरिक रूप से अक्षम थे तथा 11 मूक तथा बधिर थे।

कंपनी पिछले कुछ सालों में मनुष्य शक्ति को कम करने के अभ्यास में है। उपस्थित मनुष्य शक्ति बल यथासंभवत उपयोग में लगा दिया है। कंपनी ने अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति समुदाय के आरक्षण नीति के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये अनुदेशों का लगातार पालन किया है।

प्रशिक्षण एवं विकास

कंपनी में एक पूर्ण रूप से संपन्न प्रशिक्षण व विकास विभाग है जो कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

औद्योगिक संपर्क

औद्योगिक संपर्क बहुत सौहार्दपूर्ण रहा। प्रबंध मण्डल और ट्रेड संघों के सदस्यों के साथ औद्योगिक संपर्क समिति समय समय पर विभिन्न औद्योगिक समस्याओं को निपटाने के लिए मिलि और बातचीत की।

पर्यावरण

कंपनी ने परिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम जारी रखा है। सांविधिक नियमों और विनियमों के अनुसार बहिस्त्राव उपचार तथा निपटान प्रणालियाँ तुल्य समस्वरित की है। रिपोर्ट के अधीन इस साल के दौरान इस संबंध में कंपनी ने 10.69 लाख रुपयों की राशि व्यय की है।

बीमा

कंपनी की परिसंपत्तियाँ बीमाकृत की गई है।

राजभाषा का कार्यान्वयन

कंपनी ने राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन और इस संबंध में समय समय पर केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदेशों के अनुपालन के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए हैं।

सहायक उद्योगों का विकास

आलोच्याधीन वर्ष के दौरान, कंपनी ने उत्पादन के लिए, अपनी आवश्यकताओं के लिए अनुषंगिक और एस.एस.आई इकाइयों से 110.08 लाख रुपयों की खरीदारी की।

राजकोष को अंशदान

समीक्षाधीन वर्ष में कंपनी ने केन्द्र और राज्य सरकारों को बिक्री कर, चुंगी, सीमाशुल्क, आदि के रूप में 322.28 लाख रुपयों को भुगतान किया।

सतर्कता कार्यकलाप

कंपनी में सतर्कता अभिज्ञाता सप्ताह के द्वारा संगठन के अंदर लगातार सख्त सतर्क रखा जाता है। सतर्कता विभाग विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों की जाँच, आकस्मिक निरीक्षणों के आयोजन और जहाँ तक आवश्यक हो, सरलता से अधिनियम एवं कार्यविधियों का अध्ययन करने का कार्य में लगे हुए है।

कर्मचारियों के ब्योरे

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217, उप धारा 2(ए) के साथ पढ़े गए, (कर्मचारियों का ब्यौरा) नियम 1975 के अनुसार 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट का भाग बननेवाली सूचना:शून्य

निदेशकगण

मंत्रालय के दि 23.12.04 के आदेश के संदर्भ में, श्री जे एस जवाली, प्रबंध निदेशक एच एम टी (मशीन टूल्स) बैंगलोर को 6 महीनों का अवधि के लिए अ एवं प्र नि का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया उन्होंने 14.2.05 को पद ग्रहण किया। तदनुसार एस मुरलीधरन, निदेशक (वित्त) ने 14.02.05 के प्रभाव से कार्यकारी अ सह प्र नि पद से मुक्त हुए। श्री एन मुत्तुरामलिंगम राज्य सरकार का प्रतिनिधि, अगस्त 2004 के दौरान अधिवर्षिता होने पर निदेशक नहीं रहे।

दि 8.8.05 के आदेश के अनुसार, 24.06.05 से श्री जे एस जवाली, कंपनी के अ सह प्र नि पद का अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया और वह पद श्री महेन्द्रकुमार, प्र नि एच एम टी (अंतरराष्ट्रीय) 24.06.05 को सौंपा गया। के प्रभाव से या अगले आदेश तक जो पूर्व हो,। श्री महेन्द्र कुमार ने 9.08.2005 को पद का प्रभार ग्रहण किया है।

बाहर जानेवाले निदेशकों से दी गई बहुमूल्य मार्गदर्शन को मण्डल कृतज्ञतापूर्वक याद करता है।

लेखा परीक्षा समिति

लेखा परीक्षा समिति में निम्नलिखित सदस्य थे:

श्री मुकुल कुमार - अध्यक्ष
श्री एन. मुत्तुरामलिंगम - सदस्य-गैर कार्यपालक
श्री वी.एच. रामकृष्णन - सदस्य



उपस्थित श्री एन मुत्तुसमलिंग के बाद एक गैर कार्यपालक निदेशक न होते हुए लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन नहीं हुआ ।

निदेशकगण की जिम्मेदारी विवरण

कंपनी संशोधन अधिनियम 2000 की धारा 217(2)(एए) की अपेक्षाओं के अनुसार आपके निदेशकगण घोषणा करते हैं कि:

1. वार्षिक लेखों की तैयारी में बही लेखों के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ प्रयोज्य लेखा स्तरों का पालन किया गया है ।
2. निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियाँ चुनकर स्थिरता से लागू की हैं कि 31 मार्च 2005 के अंत में कंपनी की सत्य और उचित परिस्थिति का दृश्य देते हैं और उस के कंपनी के लाभ या हानि के निर्णय और प्राक्कलन बनाये हैं ।
3. निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए, कपट व अन्य नियमितताओं के निवारण और अन्वेषण के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित ध्यान दिया है ।
4. निदेशकों ने अनन्त काल के आधार पर वार्षिक लेखों की तैयारी की है ।

लेखापरीक्षकगण

मेसर्स राव व नाथन, सनदी लेखाकार, ऊटी वित्तीय वर्ष 2004-2005 के लिए कंपनी के लेखा परीक्षकों के रूप में भारत सरकार द्वारा नियुक्त किये गये हैं ।

निगमित शासन

स्टॉक विनियम के लिस्टिंग करार खंड 49 की उपेक्षाओं के अनुपालन के साथ निम्नलिखित रिपोर्ट अनुबंधित किये जाते हैं ।

- प्रबंध मण्डल के विचार-विमर्श व विश्लेषण रिपोर्ट
- निगमित शासन पर रिपोर्ट
- निगमित शासन पर लेखा-परीक्षकों का प्रमाण-पत्र

बी.आई.एफ.आर. के सामने कंपनी की दशा/पुनर्जीवन

जनवरी 2003 में बी.आई.एफ.आर. के कंपनी को बंद करने की सिफारिश के खिलाफ कंपनी ने प्रशासनिक मंत्रालय के साथ मिलकर अपील-प्राधिकारी अर्थात् ए.ए.आई.एफ.आर. को अपील की है । 6.6.05 को हुई ए ए आई एफ आर सुनवाई में, ए ए आई एफ आर ने बी आई एफ आर आदेश के बनाम चुनौती कर फाइल किए सभी अपीलों को बरखास्त कर दिया । कंपनी ने एक रिट याचिका मद्रास उच्चन्यायालय में दर्ज कर पहुँचा है और ए ए आई एफ आर, व बी आई एफ आर के कार्यवाही पर अंतरिम स्टे प्राप्त किया है ।

मेसर्स फर्गुसन एण्ड कंपनी ने टेक्नो एक्नामिक फीसिफिलिटी का अध्ययन पूरा किया गया है और कंपनी के भविष्य पर निर्णय लेने के लिए रिपोर्ट भारी उद्योग विभाग को प्रस्तुत किया । आगे, भविष्य, कंपनी के मामला सार्वजनिक उदगम पुनर्निर्माण बोर्ड (बी आर पी एस ई) से विचार विमर्श किया जाए ।

आभारोक्ति

आपके निदेशकगण भारत सरकार के विभिन्न विभागों विशेषकर भारी उद्योग विभाग, बैंकर्स, तथा महत्वपूर्ण ग्राहकों से प्राप्त सहयोग और समर्थन को कृतज्ञतापूर्वक याद करना चाहते हैं । आपकी कंपनी, कंपनी के बहुमूल्य कर्मचारियों की कृतज्ञतापूर्वक प्रशंसा करती है । पुनर्जीवन के लिए उनके प्रयत्न व समर्थन प्रशंसनीय रहे ।

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

श्री महेन्द्र कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

प्रबंध मण्डल के विचार- विमर्श और विश्लेषण रिपोर्ट

उद्योग बनावट और विकास

दुनिया में फोटोग्राफिक विनिर्माण प्रौद्योगिकी कुछ ब.रा.कं.की मुट्ठी में गुप्त है, और भारत में हि.फो. फि एक मात्र एकीकृत विनिर्माण है जो इमल्शन की पैयारी, कोटिंग व कन्वर्शन के उत्पादों में, लगे हुए हैं। भारत के फोटोग्राफिक उत्पादों का बाजार संयुक्त वृद्धि दर का (10% प्रति वर्ष) के साथ लगभग 1520 करोड रुपये तक है, जिसमें सिर्फ रंगीन उत्पाद 1160 करोड रुपये हैं, चिकित्सा इमेजिंग फिल्म्स 180 करोड रुपये हैं, ग्राफिक आर्ट्स फिल्म्स 105 करोड रुपये हैं, औद्योगिक एक्स-रे फिल्म्स 28 करोड रुपये हैं तथा काले व सफेद फिल्म, कागज व प्रोससिंग रसायन 54 करोड रुपये हैं।

अन्य विनिर्माता कोडक, कोनिका, फ्यूजी और आगफा आदि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आनुषंगिक या एजेंट्स ही हैं जो इन उत्पादनों के आयातित कोट किये वाइड स्टॉक के कन्वर्शन के कार्य के लगे हुए हैं (कम स्तर की प्रौद्योगिकी) ! केमरा विक्रयों में वृद्धि के अनुरूप, फोटोग्राफिक उत्पादों की वृद्धि होती है। अभी लगभग 90% घरेलु बाजार के माँग की पूर्ति आयातों के जरिए होती है।

भारत में, डिजिटल मीडिया के उत्पादों का परिचालन हो रहा है जो वर्तमान उत्पादों का पुनः स्थापन करेंगे। पर इनसे निकट भविष्य में सिल्वर हेलोइड प्रौद्योगिकी

को खतरा नहीं है, क्योंकि यह वर्तमान उत्पादों के सार है। एच पी एफ ने भी इंकजेट पेपर, लेजर प्रिंटर फिल्म और स्कैनर फिल्म्स आदि को डिजिटल तकनीकी की ओर बदले हैं।

मौके और खतरे

मौके

- फोटो मालों के लिए भरीतीस अर्थिकतर की पृद्धि एवं बढ़ता हुआ भारतीय बाजार
- हेल्थकेयर, अवस्थापना, भारी उद्योग, एकत्र संचार, मनोरंजन, रक्षा आदि क्षेत्रों में, सरकार सुधार लाना चाहती हैं। इन क्षेत्रों में हि.फो.फि. के उत्पादों का प्रयोग होता है।
- कॉले व सफेद फोटोग्राफिक उत्पादों के लिए निर्यात की संभावना।
- डिजिटल मीडिया फिल्म्स के जैसे, भविष्य में उपयोग में आनेवाले उत्पादों का विकास।

खतरे

- भारतीय आर्थिक उदारीकरण एवं निवेश के साथ प्रतियोगिता।
- तीव्र तकनीकी बदलाव।
- धीरे-धीरे डिजिटल मीडिया उत्पादों से सिल्वर हॉलैड प्रौद्योगिकी का प्रतिस्थापन।
- सुस्थापित बहुराष्ट्रीय खिलाडियों से आघात प्रतियोगिता।
- सार्वजनिक उद्यमों का प्रधान उद्देश्य, सामाजिक लक्ष्यों के बजाय लाभ कमाई होना।

उत्पादवार निष्पादन- 2004-05

मात्रा लाख वर्ग.मि.

मूल्य (रु लाखों में)

उत्पाद	उत्पादन (स्वयं)		विक्रय	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
चिकित्सा एक्स-रे समूह	6.73	1246.59	7.58	1368.17@
ग्राफिक आर्ट्स	0.00	0.74	0.21	34.23@
औद्योगिक एक्स-रे	0.08	54.66	0.17	96.29
सिनि फिल्म्स सहित कॉ व फिल्म्स	0.50	114.93	0.50	121.13
कॉला व श्वेत-पेपर	0.01	2.01	0.01	0.77
प्रोससिंग रसायन /टर्नें/	126.044	131.72	112.451	110.09
अन्य	0.06	6.20	0.06	7.88
कुल				
लाख वर्ग मी	7.38	1425.13	8.53	1628.48
टर्नें	126.04	131.72	112.45	110.09
कुल		1556.85	1738.57	

*उत्पादन का विक्रय मूल्य @ खरीदे गए मद सहित



दृष्टिकोण

कंपनी उदारीकरण नीति से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने की तैयारी में है। इस ओर निम्न प्रयत्न किये जा रहे हैं।

- उच्चम उत्पादकता- कंपनी ने मनुष्य शक्ति को कम करने के प्रमुख अभ्यास में उपलब्धि पाई है।
- उत्पादन प्रचालनों में लगातार सुधार।
- व्यय में कमी।

जोखिम एवं चिंता

जोखिम

- हार्डवेयर व प्रणाली नियंत्रण आदि में तीव्र विकासों से प्रौद्योगिकी प्रचलन।
- डिजिटल शेषण (ग्लोबलाइजेशन) और भारत सरकार द्वारा आयात शुल्क में कमी।
- फोटो इमेजिंग और डायामनोस्टिक्स में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रवेश।

चिंता

- भारत सरकार, तीव्रता से लगातार डब्ल्यू.टी.ओ.के सीमित दरों के नीचे आयात शुल्कों को उतार रहा है। इसके फलस्वरूप ब.रा.कं. प्रचालकों के विरुद्ध हि.फो.फि. के लिए नॉन-लेवल प्लेइंग क्षेत्र की दशा विकसित हो रही है।
- सीमा शुल्क की मात्रा और परीक्षण पद्धतियों की गैर प्रविष्टि के लिए, इकाई के सिंगल मूल्य को अपनाने से फोटो मालों के आयातों पर अनियमितता। इसलिए आयातों की घोषणा में ब.रा.कं. के नियमों के विरुद्ध अनुपालन करने का प्रावधान है। इसके परिणामस्वरूप हि.फो.फि.के दाम पर ज्यादा हानि होगी।
- फोटो मालों, को आयातों से संबंधित पार्टियाँ एवं विदेशियों की सिंगल फ्रंट कंपनियाँ ट्रॉन्स्फर प्रैस मेकानिसम का प्रयोग करती है।
- देश में, एकीकृत विनिर्माता अर्थात् हि.फो.फि.के लिए शुल्क रियायतों का गैर-प्रावधान

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ

कंपनी ने अपनी संपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्त प्रणाली रखी है। इसे आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग के द्वारा आयोजित आवधिक लेखा-परीक्षाओं से परिशिष्ट कराया जाता है। आंतरिक लेखा परीक्षा समिति नियमित रूप से समीक्षा करती है।

प्रचालकीय निष्पादन के संबंध में, वित्तीय निष्पादन पर विचार-विमर्श:

निम्नलिखित शीर्षों के अधीन निदेशकगण रिपोर्ट के भाग बननेवाले वित्तीय व प्रचालकीय निष्पादन पर एक विस्तृत टिप्पणी दी गई है।

वित्तीय निष्पादन ब्योरे - कुल बिक्री व हानि, अगले दस साल के लिए वित्तीय आँकड़ों के अधीन दिए हैं।

प्रचालकीय निष्पादन ब्योरे - उत्पादन

आनेवाले साल में, कंपनी, उचित प्रचालन सहित वित्तीय निष्पादन को सुधारने का भी प्रयत्न कर रही है। कच्ची सामग्री एवं रसायन, विविध देनदारों से वसूली की गयी और उत्पादन का व्यय सामना किया गया। इस साल के दौरान भारत सरकार के द्वारा कंपनी को कोई कार्यशील पूंजी का समर्थन नहीं किया गया।

मानव संसाधन/औद्योगिक संपर्क में प्रमुख विकास

अगले कुछ सालों के ऊपर कंपनी में, मनुष्य बल को कम करने का प्रमुख अभ्यास पूर्ति हुई है, और उपलब्ध मनुष्य बल को पुनःप्रशिक्षण और पुनःनियुक्ति (री डिप्लाइमेंट) के द्वारा उच्चतम कार्य किया है सभी स्तरों पर कुशलता को नुकसान से बचाने पर महत्व दिया गया है। कंपनी से सामने किये गये कठिन वित्तीय संकट और कर्मचारियों को दिये जा रहे निम्नतम वेतन के बावजूद कंपनी में औद्योगिक संपर्क आदि विशिष्टता से स्थिर थे। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को अनिश्चित वित्तीय दशा और सरकार द्वारा किये जा रहे पुनर्जीवन के प्रयत्नों के बारे में सुचारु रूप से सूचित रखा।

भविष्य विवरण

जनवरी 2003कमे बी.आई.एफ.आर. के कंपनी 1 बंद करने की सिफारिश के खिलाफ कंपनी ने प्रशासनिक मंत्रालय के साथ मिलकर अपील-प्राधिकारी अर्थात् ए.ए.आई.एफ.आर. को अपील की है। 6.6.05 को हुई ए.ए.आई.एफ.आर. सुनवाई में, ए.ए.आई.एफ.आर. ने बी.आई.एफ.आर. देश के बनाम चुनौती कर फाल किए सभी अपीलों को बरखास्त कर दिया। कंपनी ने एक रिट याचिका मद्रास उच्चन्यायालय पहुँचा है और ए.ए.आई.एफ.आर., बी.आई.एफ.आर. कार्यवाही पर अंतरिम स्टे प्राप्त किया है।

मेसर्स फर्गुसन एण्ड कंपनी ने टेक्नो एक्नामिक फीसिफिलिटी का अध्ययन पूरा किया गया है और कंपनी का भविष्य पर एक निर्णय लेने के लिए रिपोर्ट भारी उद्योग विभाग को प्रस्तुत किया गया है। आगे, भविष्य, कंपनी के मामला सार्वजनिक उदगम पुनर्निर्माण बोर्ड (बी.आर.पी.एस.ई.) से विचार विमर्श किया जाए।